

३३.२२)

आज प्रातः पेशा उड़ी निरीप पुष्पक से
किष्का जाकर शामिल पुत्रावली विद्या गणा।
प्रातः प्रेमाल सुमार दोकर दारिद्र्य
इच्छर ही। निरीप सुनापा गणा।
सुताविक निरीप दूवा वारी काकासिन
विद्या जाकर काउन्टर फ्लेम प्रति सं. उवागो।
इस्वीकार विद्या गणा ही।

५

उपर
बादा (सं. ३३) १९७५

